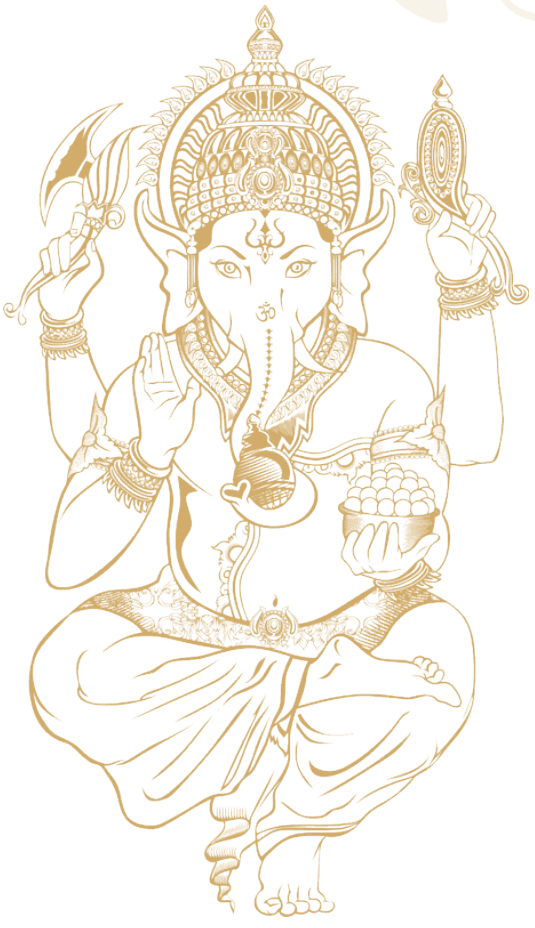

Abhay Singh

27 Oct 1990

10:05 AM

Basti

Model: web-freekundliweb

Order No: 121249811

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1990**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:05:00 घंटे**
इष्ट	09:58:56 घटी
स्थान	**Basti**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:48:00 उत्तर
रेखांश	82:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:05:56 घंटे
वेलान्तर	00:16:06 घंटे
साम्पातिक काल	12:27:03 घंटे
सूर्योदय	06:05:25 घंटे
सूर्यास्त	17:20:22 घंटे
दिनमान	11:14:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:46:16 तुला
लग्न के अंश	00:55:34 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:55:34	324:32:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	09:46:16	00:59:51	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मक	13:36:53	12:22:41	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल	व		वृष	20:31:49	00:05:40	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	तुला	13:02:16	01:37:30	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			कर्क	18:02:57	00:06:09	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र		अ	तुला	08:23:02	01:15:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	25:54:46	00:03:16	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मक	08:50:04	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	08:50:04	00:00:04	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	12:37:20	00:02:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:22:18	00:01:05	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:24:20	00:02:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कन्या	13:38:16	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:57

लग्न-चलित

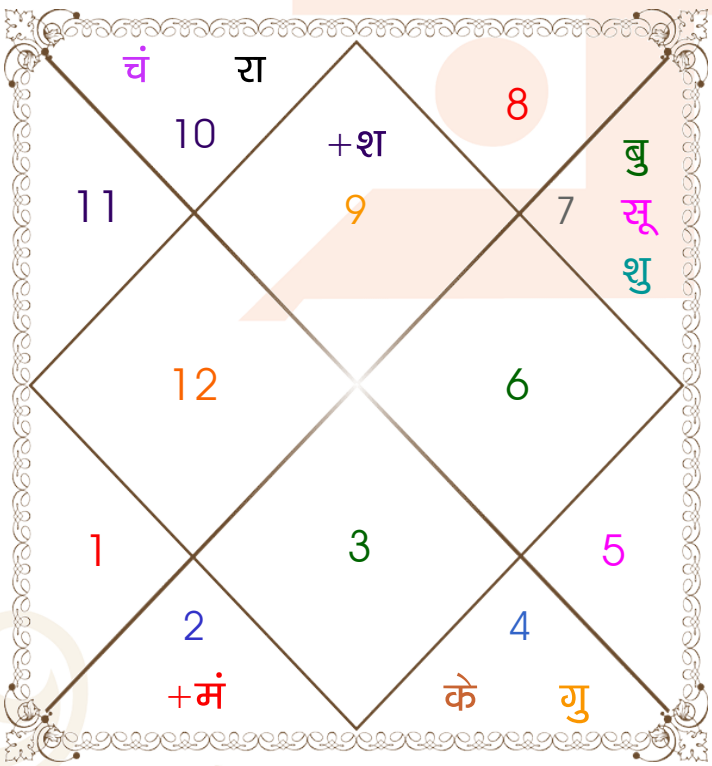

चन्द्र कुंडली

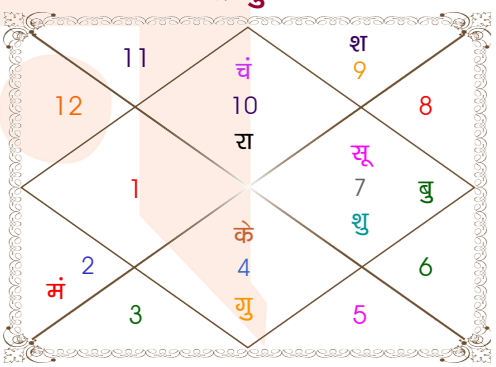

नवमांश कुंडली

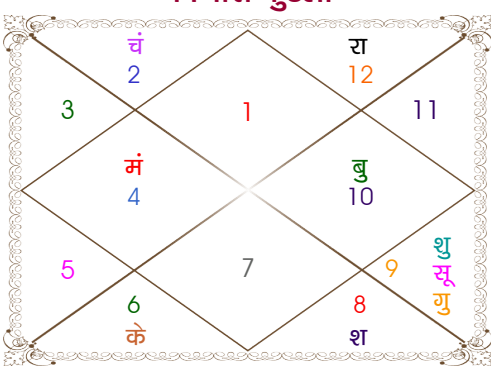

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 3 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/10/1990		09/02/1998		09/02/2005		09/02/2023		09/02/2039	
09/02/1998		09/02/2005		09/02/2023		09/02/2039		09/02/2058	
	00/00/0000	मंगल	08/07/1998	राहु	23/10/2007	गुरु	30/03/2025	शनि	12/02/2042
	27/10/1990	राहु	27/07/1999	गुरु	18/03/2010	शनि	11/10/2027	बुध	22/10/2044
राहु	10/01/1991	गुरु	02/07/2000	शनि	22/01/2013	बुध	16/01/2030	केतु	01/12/2045
गुरु	11/05/1992	शनि	11/08/2001	बुध	11/08/2015	केतु	23/12/2030	शुक्र	31/01/2049
शनि	10/12/1993	बुध	08/08/2002	केतु	29/08/2016	शुक्र	23/08/2033	सूर्य	13/01/2050
बुध	12/05/1995	केतु	04/01/2003	शुक्र	29/08/2019	सूर्य	11/06/2034	चंद्र	14/08/2051
केतु	11/12/1995	शुक्र	05/03/2004	सूर्य	23/07/2020	चंद्र	11/10/2035	मंगल	22/09/2052
शुक्र	11/08/1997	सूर्य	11/07/2004	चंद्र	22/01/2022	मंगल	16/09/2036	राहु	30/07/2055
सूर्य	09/02/1998	चंद्र	09/02/2005	मंगल	09/02/2023	राहु	09/02/2039	गुरु	09/02/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/02/2058		09/02/2075		09/02/2082		10/02/2102		11/02/2108	
09/02/2075		09/02/2082		10/02/2102		11/02/2108		00/00/0000	
बुध	08/07/2060	केतु	09/07/2075	शुक्र	11/06/2085	सूर्य	31/05/2102	चंद्र	11/12/2108
केतु	05/07/2061	शुक्र	07/09/2076	सूर्य	11/06/2086	चंद्र	29/11/2102	मंगल	12/07/2109
शुक्र	05/05/2064	सूर्य	13/01/2077	चंद्र	10/02/2088	मंगल	06/04/2103	राहु	28/10/2110
सूर्य	11/03/2065	चंद्र	14/08/2077	मंगल	11/04/2089	राहु	29/02/2104		00/00/0000
चंद्र	11/08/2066	मंगल	10/01/2078	राहु	11/04/2092	गुरु	17/12/2104		00/00/0000
मंगल	08/08/2067	राहु	28/01/2079	गुरु	11/12/2094	शनि	29/11/2105		00/00/0000
राहु	24/02/2070	गुरु	04/01/2080	शनि	09/02/2098	बुध	06/10/2106		00/00/0000
गुरु	01/06/2072	शनि	12/02/2081	बुध	11/12/2100	केतु	10/02/2107		00/00/0000
शनि	09/02/2075	बुध	09/02/2082	केतु	10/02/2102	शुक्र	11/02/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।